यह सिर्फ पुल नहीं आधुनिक जबलपुर की नई पहचान : गडकरी

आज का दिन जबलपुर का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज : मुख्यमंत्री

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर और महाकौशल क्षेत्र को नई उड़ान देने वाले 4250 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित और प्रस्तावित 9 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का आरंभ स्वागत से हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नितिन गडकरी का पुष्पगुच्छ, शॉल और रानी दुर्गावती की प्रतिमा भेंट कर अभिनंदन किया। मंच पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके, खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, जबलपुर सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, सहित अनेक सांसद–विधायक उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यहा कहा, मुझे याद है जब यहां के सांसद और आपके जनप्रतिनिधि राकेश सिंह ने जबलपुर में फ्लाईओवर की आवश्यकता बताई थी। तब हमने संकल्प लिया था कि इस शहर के यातायात की समस्या को स्थायी रूप से खत्म करना है। आज लगभग 1200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ यह फ्लाईओवर आपके सामने है। यह सिर्फ एक पुल नहीं है, बल्कि जबलपुर के आधुनिक स्वरूप की नई पहचान है। मुझे गर्व है कि देश के इतिहास में पहली बार सीआरएफ फंड से इतना बड़ा प्रोजेक्ट मंजूर हुआ और उसे समयबद्ध तरीके से पूरा किया गया।

जबलपुर की बदलेगी तकदीर

श्री गडकरी ने यहां कहा, यह तो शुरुआत है। जबलपुर और पूरे महाकौशल अंचल के विकास के लिए हम एक के बाद एक कई बड़ी परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। जबलपुर से मंडला होते हुए छत्तीसगढ़ सीमा तक चार लेन की सड़क बनाई जा रही है, जिससे यहां का व्यापार और पर्यटन दोनों को नई गति मिलेगी। इसी तरह सिवनी और छिंदवाड़ा से होते हुए सावनेर तक का मार्ग चौड़ा किया जा रहा है, जिससे यात्रा का समय आधा होगा और लोगों को राहत मिलेगी। जबलपुर को हमने विशेष टाइगर कॉरिडोर की सौगात दी है। हजारों करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह मार्ग यहां के नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व्स को जोड़ेगा। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। जबलपुर का रिंग रोड भी अब पूरा होने की ओर है और इसका अंतिम पैकेज भी मंजूर कर लिया गया है। यह रिंग रोड शहर के यातायात को सुगम बनाएगा और औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंच आसान करेगा। इतना ही नहीं, जबलपुर से भोपाल तक ग्रीनफील्ड हाईवे बनाया जाएगा। करीब पंद्रह हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह आधुनिक मार्ग प्रदेश की तस्वीर बदल देगा। इसका डीपीआर इस साल पूरा होगा और अगले साल निर्माण शुरू हो जाएगा। जबलपुर के लिए रोपवे परियोजनाएं भी स्वीकृत की गई हैं। एम्पायर टॉकीज से गुरुद्वारा तक लगभग नौ सौ करोड़ की लागत से रोपवे बनेगा, वहीं सिविक सेंटर से बलदेव बाग तक एक और रोपवे का निर्माण होगा। यह सुविधाएं इस शहर के पर्यटन और यातायात दोनों में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगी।

जबलपुर को मिली अनमोल धरोहर : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने यहां कहा जबलपुर की यह धरती रानी दुर्गावती के शौर्य और जाबालि ऋषि की तपोभूमि से जगत में प्रसिद्ध है। इस पावन नगरी ने देश को संस्कृति और गौरव की अनमोल धरोहर दी है। आज का दिन इस ऐतिहासिक नगरी के लिए स्वर्णाक्षरों में दर्ज होने वाला दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की विकास यात्रा नई ऊँचाइयों को छू रही है। प्रधानमंत्री ने तीसरी बार सरकार बनने पर कहा था—"आप हमें आशीर्वाद दें, हम आपको विकास देंगे।" आज उसी का परिणाम है कि प्रदेश को 60 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएँ मिली हैं। ग्रीन फील्ड जबलपुर–भोपाल मार्ग, रीवा–उज्जैन–मुरैना तक के हाईवे, उज्जैन–इंदौर–धुले–पुणे और प्रयागराज–जबलपुर–नागपुर हाई स्पीड कॉरिडोर जैसी परियोजनाएँ आने वाले समय में महाकौशल और पूरे मध्यप्रदेश को नई गति देंगी।

लोक निर्माण से लोक कल्याण : मंत्री

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी का यह दशक भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के कायाकल्प का दशक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी के दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ मुख्यमंत्री का जो एकात्म भाव है उससे मध्यप्रदेश आज लोक निर्माण से लोक कल्याण की सक्सेस स्टोरी लिख रहा है। श्री सिंह ने कहा कि सात किलोमीटर लंबा यह फ्लाई ओव्हर जबलपुर के भविष्य को तय करने वाला है। इससे अब दमोहनाका से मदन महल की दूरी तय करने में 5 से 6 मिनट लगेंगे। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मदन महल-दमोहनाका फ्लाई ओव्हर का नामकरण वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर किया गया है। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पिछले वर्ष की गई थी। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि इस फ्लाई ओव्हर के निर्माण में कई रूकावटें आई। किंतु लोगों को सहूलियत और बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में प्रयास जारी रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अद्भुत नेतृत्व और केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी के प्रयासों से ही यह ब्रिज आज आकार ले पाया है।

अधोसंरचना और विकास की दूरदृष्टि : मंत्री पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल ने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी की सड़क अधोसंरचना विकास में दूरदृष्टि और व्यहारिकता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने दमोह को राष्ट्रीय राजमार्ग की सौगात दी। साथ ही लखनादौन से ललितपुर के बीच दुर्घटना प्रभावित क्षेत्र समाप्त करने के लिए 27 ओवरब्रिज को स्वीकृति प्रदान की। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने मदन महल-दमोहनाका फ्लाई ओव्हर के लोकार्पण अवसर पर जबलपुर के नागरिकों को बधाई भी दी।

सांसद श्री आशीष दुबे ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि असंभव को संभव बनाने के लिए पुरुषार्थ तथा विचारों को नवाचार में बदलने की आवश्यकता होती है। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने पुरुषार्थ के साथ, विचार को नवाचार में, नवाचार को चमत्कार में बदलने और चमत्कार को धरातल पर क्रियान्वित करने का कार्य किया है।

सबसे बड़ा फ्लाईओवर बना आकर्षण का केंद्र

मदनमहल से दमोहनाका तक बना फ्लाईओवर इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण रहा। लगभग 7 किलोमीटर लंबा और 1200 करोड़ से अधिक लागत वाला यह फ्लाईओवर प्रदेश का सबसे बड़ा माना जा रहा है। इंजीनियरिंग की दृष्टि से भी यह एक अद्भुत उपलब्धि है। इसमें अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। इसके बनने से शहर के यातायात को बड़ी राहत मिलेगी और लोगों का समय बचेगा।

अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण–शिलान्यास इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ। इनमें रीवा बाईपास चौड़ीकरण, नौरादेही टाइगर रिजर्व से होकर गुजरने वाला फोरलेन कॉरिडोर, मंडला–नैनपुर सड़क, कटनी बाईपास और जबलपुर–भोपाल ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होंगे और ये प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देंगे।

रात भर में वर्षा ढाई इंच, भारी बारिश की संभावना

तरबतर करने आ गया बांग्लादेशी सिस्टम

जबलपुर। शहर को तरबतर करने के लिए एक बार फिर बंगलादेशी मानसूनी सिस्टम आ चुका है। शुक्रवार की शाम से शुरु हुआ बारिश का दौर देर रात तक जारी रहा। इस दौरान करीब 2 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई। अब तक कुल 37 इंच वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। वहीं शनिवार को भी दिनभर आसमान पर बादल छाए रहे। बीच बीच में रिमझिम बारिश होती रही। मौसम विभाग की मानें तो अगले 24 घंटों के दौरान जिले के कई स्थानों पर झमाझम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम बंगाल और पूर्वी राजस्थान के ऊपर बने हवा के चक्रवात की वजह से मानसूनी बादलों की खेप छत्तीसगढ़ होते हुये मध्यप्रदेश तक पहुंच गई है। अगले 24 घंटों में बादल पूरी तरह से मध्यप्रदेश में सक्रिय हो जाएंगे।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक एक सिस्टम पश्चिम बंगाल से दूसरा सिस्टम राजस्थान से आ रहा है। पूर्वी मध्यप्रदेश और पश्चिमी मध्यप्रदेश के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। जिससे आसमान पर घने बादल छाए रहे और शुक्रवार की शाम से शुरू हुई बारिश शनिवार को भी रिमझिम बारिश के रूप में जारी रही। लगातार वर्षा होने के कारण तापमान एक बार फिर नीचे आ गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 28.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 98 प्रतिशत और सायंकाल 89 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.50 मिनिट पर और सूर्यास्त सायं 6.35 मिनिट पर हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान 67.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 940.2 मिमी (लगभग 37 इंच) दर्ज की जा चुकी है। जबकि गत वर्ष आज के दिन 0.4 मिमी वर्षा हुई थी और कुल वर्षा 1033.0 मिमी दर्ज की जा चुकी थी। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 32.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री दर्ज किया गया। दक्षिणी पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर झमाझम वर्षा हो सकती है।

आदिवासी छात्रावास में फूड पॉइजनिंग की आशंका पर कार्रवाई

छात्रावास अधीक्षक निलंबित, जांच शुरू

जबलपुर। कुंडेश्वर धाम की हरदौली कला तहसील स्थित आदिवासी छात्रावास में 14 बच्चे अचानक बीमार हो गए। इनमें 14 वर्षीय छात्र राजाराम धुर्वे की मौत हो गई। आशंका है कि बच्चों की तबीयत फूड पॉइजनिंग से बिगड़ी। रात में खाने के बाद 20 अगस्त को सभी बच्चों को नजदीकी निजी डॉक्टर को दिखाया गया। इस मामलें में लापरवाही बरतने पर छात्रावास अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारी छात्रावास पहुंचे और बच्चों से फीडबैक लिया। पानी के सैंपल जांच के लिए भेजे गए। लापरवाही के आरोप में छात्रावास अधीक्षक गजेंद्र को निलंबित कर दिया गया। इलाज के बाद 11 बच्चों को डिस्चार्ज किया जा चुका है, जबकि दो अस्पताल में भर्ती हैं।

बच्चों ने की खाने की शिकायत

छात्रावास में 46 बच्चे हैं, लेकिन घटना वाले दिन 14 थे। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह और सहायक आयुक्त सीके दुबे ने बीमार बच्चों के बयान दर्ज किए। इसके बाद जांच के आदेश दिए। बच्चों ने अधीक्षक की अनुपस्थिति और भोजन की खराब गुणवत्ता की शिकायत की।

विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस ने की गिरफ्तारी

एनएसयूआई नेता नजरबंद किए गए

जबलपुर। शहर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के आगमन से पूर्व ही एनएसयूआई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सुबह गिरफ्तार कर नजरबंद कर लिया। प्रातः 6:00 बजे क्राइम ब्रांच ने छापामार कार्रवाई करते हुए एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सचिन रजक, प्रदेश पदाधिकारी अदनान अंसारी, नीलेश महार, एजाज अंसारी, मोहम्मद अली, अनुराग शुक्ला अनुज यादव, अचलनाथ चौधरी सहित अन्य को हिरासत में ले लिया। यह गिरफ्तारी पूरी तरह से अलोकतांत्रिक और निंदनीय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष और छात्रों की आवाज को इस प्रकार दबाना गंभीर चिंता का विषय है और यह संविधान की मूल भावना के प्रतिकूल है। एनएसयूआई प्रदेश पदाधिकारी अदनान अंसारी व शफी खान ने कहा कि हमें जनता की आवाज को उठाने से रोका जा रहा है आज जिस प्रकार पुलिस द्वारा छात्र नेताओं को गिरफ्तार किया गया है अगर पुलिस इतनी ईमानदारी और सख्ती के साथ अपराधियों पर नकेल कसती तो शायद संस्कारधानी में बढ़ रहे अपराधों में कमी होती शहर में हर रोज चोरी, हत्या, डकैती जैसी घटनाएं घटित हो रही है लेकिन पुलिस अपराधियों पर कार्रवाई करने की वजाह मूकदर्शक बनी रहती है। हम लोकतंत्र और छात्रों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से जारी रखेंगे।

स्कार्पियो ने बाईक चालक को रौंदा

जबलपुर। बरगी थाना अतंर्गत ग्राम रैपुरा तिराहा के पास एनएच 34 नागपुर जबलपुर रोड में एक स्कार्पियों ने एक बाईक को टक्कर मार दी, जिसमें सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरा गंभीर रुप से घायल है जिसे उपचार के लिए मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बरगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रैपुरा निवासी 31 वर्षीय लेखराम चौधरी अपने 20 वर्षीय चचेरे भाई रमेश चौधरी की बाईक में रमेश का इलाज कराने बरगी जा रहा था। ग्राम रैपुरा तिराह के पास एन एच 34 नागपुर-जबलपुर रोड़ में लगभग 11.30 बजे स्कार्पियो क्रमांक एमपी 04 जेड जेड 5220 के चालक ने तेज गति से चलाते हुये उनकी बाईक में टक्कर मारी दी, जिससे लेखराम की मौके पर मृत्यु हो गयी वहीं रमेश चौधरी गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुये मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया गया है।

फर्जीवाड़े, अदालत के परिवाद और गुर्गो की गुंडागर्दी से घेरे में स्मार्ट सिटी अस्पताल का संचालक और स्वयंभू भाजपा नेता अमित खरे

मेडिकल काउंसिल में पंजीयन नहीं फिर भी डॉक्टर बन कर घूम रहा खरे!

हरिभूमि, जबलपुर।

हरिभूमि फॉलोअप

संस्कारधानी में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर माफिया राज चलाने वाला स्मार्ट सिटी अस्पताल का संचालक अमित खरे एक बार फिर कटघरे में है। एम्बुलेंस चालक पर हमले और गुर्गों की धमकी के बाद अब खरे के खिलाफ कई पुराने घोटालों और गंभीर संदेहों ने उसकी असलियत को उजागर कर दिया है। फर्जीवाड़े की फेहरिस्त और मेडिकल काउंसिल में नाम गायब होने का खुलासा खरे को सीधे-सीधे स्वास्थ्य माफिया साबित करता है।

दमोह का फर्जी एमएलसी कांड

नवंबर 2021 में दमोह के एक मरीज को लेकर खरे का नाम सामने आया था। मरीज को स्मार्ट सिटी अस्पताल में भर्ती दिखाकर जेल अस्पताल के डॉक्टर के नाम से फर्जी एमएलसी रिपोर्ट तैयार कर दी गई। जांच में साफ हुआ कि संबंधित डॉक्टर का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं था। यह मामला उस वक्त पूरे प्रदेश में सुर्खियों में रहा।

सतना के डॉक्टर का परिवाद

इसी तरह सतना निवासी डॉ. लक्ष्मण शाह ने भी खरे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए न्यायालय में परिवाद दायर किया है। इससे यह साबित होता है कि खरे के खिलाफ शिकायतें सिर्फ पुलिस फाइलों तक सीमित नहीं, बल्कि अदालत तक पहुंच चुकी हैं।

आयुष्मान कार्ड में फर्जीवाड़ा

खरे पर गरीब मरीजों के आयुष्मान कार्ड का दुरुपयोग कर इलाज के नाम पर राशि हड़पने का भी आरोप है। यह सीधे तौर पर स्वास्थ्य योजनाओं की लूट है, जिसमें गरीब मरीजों का हक माफिया की जेब में गया।

पुलिस-स्वास्थ्य विभाग आमने-सामने

स्मार्ट सिटी अस्पताल मामले में फिलहाल स्वास्थ्य विभाग पुलिस की आधिकारिक रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा का कहना है "अगर पीड़ित मरीज या पुलिस आधिकारिक तौर पर सामने आते हैं तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस का सीधा कहना है कि उसने एफआईआर दर्ज कर ली है स्वास्थ्य विभाग अपनी कार्रवाई करें?

जनता में गुस्सा, फरियादियों में दहशत

एमएलसी फर्जीवाड़ा, अदालत में परिवाद, आयुष्मान लूट और मेडिकल काउंसिल में नाम न होना ये सब मिलकर खरे को "स्वास्थ्य माफिया" साबित करने के लिए काफी हैं। अब सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक ऐसे सफेदपोश माफिया राजनीतिक छत्र छाया में बचते रहेंगे? क्या इस बार सचमुच शिकंजा कसेगा या एक और मामला फाइलों में दफन हो जाएगा?

डॉक्टर होने पर ही सवाल

सबसे बड़ा संदेह अब यह है कि आखिर खरे वाकई डॉक्टर हैं भी या नहीं? सूत्रों के मुताबिक भोपाल स्थित मेडिकल काउंसिल में खरे का पंजीयन तक नहीं है। यानी जिस नाम से वह डॉक्टर बनकर पूरे शहर में माफिया राज चला रहा है, उसकी डिग्री और वैधता पर ही सवालिया निशान खड़ा हो गया है।

मझगवां थाना क्षेत्र में दिन दहाड़े वारदात

घर में अकेली नाबालिग से किया रेप

जबलपुर। मझगवां थाना क्षेत्र में एक 16 साल की नाबालिग लड़की के मुंह में कपड़ा ठूंसकर बलात्कार किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। बताया गया है कि घटना उस वक्त हुई जब लड़की के माता-पिता घर पर नहीं थे और भाई स्कूल गया था। आरोपी ने रैकी कर वारदात को अंजाम दिया और वहां से भाग गया। घटना के संबंध में मझगवां पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार रोती-बिलखती नाबालिग लड़की की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने मामले की सूचना मझगवां थाना पुलिस को दी। माता-पिता के साथ थाना पहुंची नाबालिग के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध प्रकरण दर्ज करते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में नाबालिग ने कहा है कि कल सुबह मम्मी-पापा खेत चले गए थे। छोटा भाई अपने निर्धारित समय पर स्कूल चल गया था। मैं घर में अकेली थी तो घर का मेन दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था।

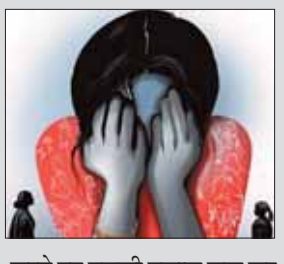

करीब 10 बजे वह घरेलू काम में व्यस्त थी तभी गांव का रहने वाला मोहित घर के पीछे वालें खेत की ओर से अंदर आया और उसने पीछे से पकड़ लिया। चीखने से पहले ही मोहित ने उसके मुंह में उसका दुप्पटा ठूंस दिया, जिससे चिल्लाने पर भी आवाज नहीं निकल रही थी।

मोहित उसके साथ जबरदस्ती दुष्कृत्य कर रहा था, तभी पापा आ गए। पापा दरवाजा आवाज देकर दरवाजा खुलवाने लगे, तभी पापा की आवाज सुनकर मोहित पीछे वाली बाड़ी तोड़ते हुए भाग गया। दरवाजा खोलने पर पापा को देखकर वह रोने लगी और पूरा घटनाक्रम अपने पिता को बताया इसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रेप और पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी अभी फरार है।

पुलिस कप्तान के निर्देश पर बैंक अधिकारियों की बैठक, गाइडलाइन का पालन अनिवार्य

बैंक सुरक्षा में नहीं बरती जाए लापरवाही

हरिभूमि, जबलपुर।

खितौला बैंक में हुई डकैती में सुरक्षा में हुई लापरवाही को मद्देनजर रखते और उसको दुरुस्त रखने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में बैंक अधिकारियों की विशेष बैठक बुलाई गई। बैठक में एएसपी सिटी आनंद कलादगी और एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा मौजूद रहे। विभिन्न बैंकों के करीब 50 अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

सुरक्षा की जिम्मेदारी साझा

बैठक में एएसपी सिटी कलादगी ने स्पष्ट कहा कि बैंकों की सुरक्षा केवल पुलिस की नहीं बल्कि अधिकारियों और कर्मचारियों की भी जिम्मेदारी है। कप्तान उपाध्याय ने साफ निर्देश दिए कि आरबीआई द्वारा तय गाइडलाइन का 100 प्रतिशत पालन किया जाए। हर बैंक में चैनल गेट, सायरन और पैनिक अलार्म तीन-चार स्थानों पर अनिवार्य रूप से लगे हों। इसके अलावा किसी भी कोने को सीसीटीवी कवरेज से अछूता न छोड़ा जाए।

थानों और बैंकों का सीधा समन्वय

बैठक में निर्णय हुआ कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए बैंक और संबंधित थाने के बीच व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया जाए ताकि संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत साझा हो सके। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी कि अपराधी बैंक के अंदर और बाहर की लापरवाही का फायदा उठाने में देर नहीं करते, इसलिए सतर्कता जरूरी है।

आकस्मिक चेकिंग और पुलिस गश्त

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बैंक परिसर, उसके आसपास के चाय-ठेलों और साइकिल स्टैंड पर लगातार आकस्मिक चेकिंग की जाएगी। कई बैंकों में पुलिस गार्ड तैनात हैं, जबकि अधिकांश में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड काम कर रहे हैं। ऐसे में सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि गार्ड संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखें और जरूरत पड़ने पर थाने या कंट्रोल रूम को तुरंत सूचना दें।

बैंक अधिकारियों की मांग पर आश्वासन

बैंक अधिकारियों ने गश्त बढ़ाने की मांग रखी। इस पर अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सुबह 11 से दोपहर 1 बजे और दोपहर 3 से शाम 4 बजे के बीच बैंकों के आसपास पुलिस गश्त नियमित रूप से की जाएगी।

जारी हुए सख्त निर्देश

1. आरबीआई मानकों का पूरी तरह पालन किया जाए।
2. अलार्म और सायरन चालू हालत में रहें और कर्मचारियों को इसका प्रशिक्षण मिले।
3. सीसीटीवी कैमरे कैश काउंटर से लेकर बैंक के बाहरी क्षेत्र तक लगे हों।
4. एटीएम और बैंक में केवल अधिकृत, प्रशिक्षित और शस्त्रधारी गार्ड ही तैनात हों।
5. सभी प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड और रिकवरी एजेंट का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य है।

अभिनंदन समारोह में बोले चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा

अधिवक्ताओं का व्यक्तित्व बहुआयामी होना चाहिए

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने कहा कि अधिवक्ताओं का व्यक्तित्व बहुआयामी होना चाहिए। सिर्फ वकालत तक सीमित न रहकर विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रियता होने से वे अपेक्षाकृत अधिक सरोकारी जीवन जी सकेंगे। वे हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन, जबलपुर के तत्वावधान में डुमना रोड स्थित सभागार में बोल रहे थे।

हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन, जबलपुर के पदाधिकारियों ने उनका भावभीना अभिनंदन किया। विभिन्न वक्ताओं ने दो बार कार्यवाहक और अंततः मुख्य न्यायाधीश के रूप में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में नव प्रतिमान दर्ज कर रहे मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा के व्यक्तित्व-कृतित्व को रेखांकित किया। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा के साथ प्रशासनिक न्यायाधीश अतुल श्रीधरन, न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन, जबलपुर के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल, सचिव निखिल तिवारी, एमपी स्टेट बार चेयरमैन राधेलाल गुप्ता, सीनियर एडवोकेट्स काउंसिल की अध्यक्ष शोभा मेनन व जिला बार एसोसिएशन, जबलपुर के अध्यक्ष मनीष मिश्रा मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव निखिल तिवारी ने किया।

मुख्यालय मध्य भारत एरिया में 59वां आवा दिवस मनाया गया

हरिभूमि, जबलपुर। मुख्यालय मध्य भारत एरिया के अंतर्गत जबलपुर मिलिट्री स्टेशन स्थित बत्रा ऑडिटोरियम में 23 अगस्त 2025 को आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (AWWA) का 59वां वार्षिक आवा दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जोनल आवा अध्यक्षा राजलक्ष्मी शेखावत, मध्य भारत एरिया ने की। इस अवसर पर आवा की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता द्विवेदी का प्रेरणादायी वीडियो संदेश भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें उन्होंने सैनिकों की पत्नियों और वीर नारियों को आत्मनिर्भरता, साहस और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में महिला उद्यमिता पर प्रेरक वार्ता, विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां, कविता पाठ, आर्मी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्तिपूर्ण प्रदर्शन तथा सैन्य परिवारों की प्रतिभा को उजागर करने वाला एक सांस्कृतिक प्रदर्शन भी शामिल था।

छात्र-छात्राओं ने मौसम विभाग का किया भ्रमण

जबलपुर। सीएम राइस (सांदीपानी) शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आधारताल के छात्र-छात्राओं को उच्च माध्यमिक शिक्षिका अंजू टेंभेकर द्वारा मौसम विभाग जबलपुर का भ्रमण कराया गया इनके साथ सहयोगी के रूप में आदित्य वर्मा शिक्षक भी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान मौसम विभाग के अधिकारी डीके तिवारी ने छात्र-छात्राओं को मौसम विभाग उपकरणों से संबंधित जानकारी प्रदान की, जानकारी प्राप्त कर छात्र-छात्राएं प्रफुल्लित होकर अपने स्किल डेवलपमेंट की तरफ अच्छा भविष्य बनाने प्रेरित हुए। इस कार्य हेतु विद्यालय के प्राचार्य प्रकाश वालीवाल एवं उप प्राचार्य अन्विता सिंह का विशेष सहयोग रहा।

नर्मदा से लेकर फ्लाइओवर ब्रिज में संकीर्तन महोत्सव मनाएंगे

जबलपुर। नर्मदा चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबलपुर के द्वारा जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट चौक राइट टाउन से ओवर ब्रिज में चढ़कर रानीताल से हनुमान जी महाराज के दर्शन कर वहां से लौटकर जमुना प्रसाद चौक पर विशाल महाआरती एवं भंडारे के साथ समापन होगा. संकीर्तन मंडल संयोजक श्याम मनोहर पटेल ने बताया हर रविवार को प्रातः 8:30 से10 तक विभिन्न पिछड़ी बस्तियों में भगवान का संकीर्तन किया जाता है 21 सदस्य टीम संकीर्तन यात्रा निकालेंगे नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रहेगी. संकीर्तन मंडल अध्यक्ष विनोद दीवान ने बताया 24 अगस्त रविवार प्रातः 8:30 बजे जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट चौक राइट टाउन से संकीर्तन संत महात्माओं के सानिध्य में यात्रा प्रारंभ की जाएगी. उपस्थिति की अपील अध्यक्ष विनोद दीवान सहसंकीर्तनचार्य सुरेश विश्वकर्मा सचिव मनोज गुलाबबानी रुद्राभिषेकचार्य मोहित तिवारी मनोहर विश्वकर्मा छन्नू राम पटेल चंद्र कुमार पटेल गणेश विश्वकर्मा अशोक विश्वकर्मा नरेश गुजराती भागचंद कोली दीपक तिवारी नितिन चौबे...विनोद विश्वकर्मा देवी दादा मगन द्वारा सभी भक्त मंडल से उपस्थित की अपील की है।

लव जिहाद के मामले को लेकर जताया आक्रोश

विश्व हिंदू परिषद ने किया मझौली थाने का घेराव

मझौली। थाना मझौली अंतर्गत इनदाना चौकी क्षेत्र में कथित लव जिहाद के मामले को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को थाना मझौली का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने थाना परिसर में जमकर नारेबाजी की और मामले में लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इनदाना चौकी क्षेत्र की एक हिंदू युवती पिछले सप्ताह से लापता थी, जिसकी शिकायत परिजनों ने पुलिस से की थी। आरोप है कि युवती को थाना कटंगी अंतर्गत 27 मील क्षेत्र का रहने वाला मोहम्मद इरसाद बहला-फुसलाकर ले गया।

ग्रामवासियों का कहना है कि शनिवार को दोनों थाना प्रभारी के सामने पहुंचे थे, लेकिन चौकी प्रभारी पर आरोप है कि उन्होंने कुछ लेन-देन कर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की। बजरंग दल ने इसे गंभीर आरोप मानते हुए थाने का घेराव किया और युवती को तुरंत खोजकर माता-पिता को सौंपने की मांग की। मौके पर पहुंचे सिहोरा SDOP ने प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी और तीन दिन के भीतर युवती को बरामद कर माता-पिता को सौंपने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रवीन्द्र भवन में नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम 26 अगस्त को

मुख्यमंत्री विद्युत कंपनियों के चयनित कर्मचारियों को देंगे नियुक्ति-पत्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों में नियुक्तियां की जा रही हैं। ऊर्जा विभाग के अंतर्गत भी विभिन्न बिजली कंपनियों में परीक्षा के बाद कर्मचारियों को चयनित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चयनित 1050 कर्मचारियों को रवीन्द्र भवन में 26 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में नियुक्त-पत्र वितरित करेंगे। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान बिजली कंपनियों के लिए नवीन संगठनात्मक संरचना स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री का आभार प्रदर्शन भी किया जायेगा। ऊर्जा विभाग ने संकल्प-पत्र के आधार पर विभिन्न पदों पर एमपी ऑन लाइन के माध्यम से परीक्षा लेकर द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ श्रेणी आधार पर विभिन्न पदों पर भर्ती की है। चयनित पदों में बिजली इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, लेखाधिकारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक, सहायक विधि अधिकारी, लाइन अटेंडेंट, सिक्योरिटी ऑफिसर, पॉवर प्लांट फार्मासिस्ट, केमिस्ट, एएनएम, ट्रेसर, स्टाफ नर्स, लैब टेक्निशियन, रेडियोग्राफर, ईसीजी टैक्निशियन, पब्लिसिटी ऑफिसर, मेडिकल ऑफिसर आदि पद शामिल हैं। भोपाल में होने वाले इस राज्य स्तरीय समारोह में नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं के परिजनों को भी आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश की विभिन्न बिजली कंपनियों की उपलब्धियों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। साथ ही विद्युत कर्मचारी संगठनों को भी आमंत्रित कर कर्मचारी हितों और उपभोक्ता सेवाओं को लेकर चर्चा भी की जाएगी।

गोवर्धन हैं कलयुग में भगवान कृष्ण का साक्षात स्वरूप : स्वामी राम प्रपन्नाचार्य

जबलपुर। लघु काशी पचमठा मंदिर में श्री सदगुरुदेव सेवा समिति के तत्वावधान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में विगत दिवस श्रीधाम वृंदावन के कथा मनीषी स्वामी राम प्रपन्नाचार्य महाराज ने व्यास पीठ के पूजन अर्चन पश्चात श्रीमद् भागवत कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि भगवान ने पूतना नाम की राक्षसी का उद्धार किया, पूतना अर्थात पाखंड भगवान हमेशा पाखंड का नाश करते हैं, निर्मल मन से ही भगवान को पाया जा सकता है। महाराज श्री ने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन सुनाते हुए माखन चोरी की लीलाओं का रहस्य बताया, उन्होंने कहा भगवान कृष्ण सब प्राणियों में विद्यमान हैं केवल हमें उन्हें पहचानने की जरूरत है। ललित अग्रहरि द्वारा प्रस्तुत भजन "लगन तुमसे लगा बैठे जो होगा देखा जायेगा..." की शानदार प्रस्तुति सुनकर श्रोतागण खुशी से झूम उठे। मनमोहक कथा प्रारंभ के पूर्व व्यास पीठ का पूजन सुरेंद्र, देवेंद्र, महेंद्र, विराज, तनुष तिवारी ने किया। इस अवसर पर गुरु परिवार के राजेश पटेल, डॉ. अजय फौजदार की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। मंच संचालन राजेश पटेल ने किया।

गड्ढों में तब्दील हुई बरेला से पड़वार रोड

बरेला। नगर से पड़वार की ओर जाने वाली लगभग 10 किलोमीटर की यह रोड वर्तमान में बारिश के कारण पूर्णतया गड्ढों में तब्दील हो गई है। इस रोड में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं इसके कारण इस रोड पर दु पहिया वाहन चालकों तक का चलना मुश्किल हो गया है। बताया जाता है कि बरेला से पड़वार रोड तक यह रोड पूर्व में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत बनाई गई थी किंतु विगत 1 साल पूर्व यह रोड प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से पी डब्लू डी विभाग को ट्रांसफर कर दी गई है इसके कारण वर्तमान इस रोड के मेंटेनेंस का पूरा दारोम दार पीडब्ल्यूडी विभाग का है किंतु विभाग द्वारा इस रोड पर मेंटेनेंस न किए जाने के कारण यह रोड पूर्णतया गड्ढों में तब्दील हो गई है इसका कारण लोगों को इस रोड पर हिचकोले खाना पड़ रहा है।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **HARJAS MAKKERH** I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **HARJAS KAUR MAKKERH** D/O DAVINDER SINGH MAKKERH RESIDENT OF FLAT-NO. 302, ANIKA APARTMENT, BEHIND KAILASH AUTOMOBILE, SWAMI DAYANAND SARASWATI WARD, NAPIER TOWN, JABALPUR (M. P.) 482001.

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **URPIT KAUR MAKKERH** I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **URPREET KAUR MAKKERH** W/O DAVINDER SINGH MAKKERH RESIDENT OF FLAT NO. 302, ANIKA APARTMENT, BEHIND KAILASH AUTOMOBILE, SWAMI DAYANAND SARASWATI WARD, NAPIER TOWN, JABALPUR (M. P.) 482001.

CHANGE OF NAME

I, ARMY No. 15436948H RANK-HAV NAME PERIYASAMY S S/O SUBRAMANI OF UNIT MH, JABALPUR(M.P.).R/O H.N. 138 MITTAHALLI PUDUR, MITTAHALLI KRISHNAGIRI TAMILNADU PIN-635112. I state that in my Mother, Aadhar card Name **(INDHIRANI)** which is true and correct but in my Army service Record my Mother Name is recorded **(INDRANI)** Which is incorrect. I state that the true and correct Name of my Mother is **(INDHIRANI)** and same Name shall be corrected in my Army service Record.
CORRECT NAME-(INDHIRANI)
INCORRECT NAME-(INDRANI)

शनि अमावस्या पर तिलवारा में हुआ भव्य आयोजन

जबलपुर। भाद्रपद की शनि अमावस्या पर तिलवारा घाट स्थित शनिधाम में भव्य आयोजन किया गया. इस अवसर पर भगवान शनिदेव का पुष्पों से श्रृंगार कर छप्पन भोग अर्पित किये गये. सूर्य, चंद्र मंगल, बुध, गुरु,शुक्र,शनि,राहु,केतु की विशाल झांकी के बीच प्राचीन शनि महाराज के श्रीविग्रह का शनिधाम में विशेष पूजन, शनि महाअभिषेक, दिव्य महा आरती, मथुरा वृंदावन से आये महाराजो द्वारा निर्मित 56 भोग अर्पण किया , एवं दिन भर सरसों तेल से निर्मित भंडारे का आयोजन किया गया। शनि अमावस्या महोत्सव में कलकत्ता से आये गुलाब आरकिड, जरबेरा और कमल, मोगरा, अकौआ के पुष्पों से श्रृंगारित किया गया। इस अवसर पर सतीश महाराज, पं. अनिल मिश्रा, नितिन शर्मा ,सोनू कुररिया,नितिन भाटिया ,संजय तिवारी ,शुभम तिवारी आदि श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव का तिलाभिषेक किया ।

श्री महेन्दर पाल सिंह सैनी- डिफेंस कॉलोनी सिविल लाइन निवासी श्री महेन्दर पाल सिंह सैनी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती फूलमति बाई झारिया- शारदा चौक मदनमहल निवासी श्री चन्ना लाल झारिया की धर्मपत्नी श्रीमती फूलमति झारिया (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नीलेश मिश्रा- सुदामा नगर आमनपुर मदनमहल निवासी श्री राम कुमार मिश्रा के पुत्र श्री नीलेश मिश्रा (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती कनक सिंह- बंगला नं. 19, तिलहरी निवासी श्री सुरेश कुमार सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती कनक सिंह (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष नायडू- नई बिल्डिंग सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री लक्ष्मण नायडू के पुत्र श्री संतोष नायडू (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संपत दास बैरागी- टेंडर वन बृजमोहन नगर रामपुर निवासी श्री संपत दास बैरागी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी बाई हजारिया- दुर्गा नगर रामपुर निवासी श्री रमेश हजारिया की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई हजारिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री आनंद चंदेल- गोरखपुर पंसारी मोहल्ला निवासी श्री श्रवण कुमार चंदेल के पुत्र श्री आनंद चंदेल (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कंधी केवट- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री कंधी केवट (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362100

विधायक बरकडे ने कहा समस्या का होगा स्थाई समाधान

मिस्पा मिशन रोड़ के सामने में भरे पानी से गुजरकर स्कूल जाने मजबूर सैकड़ों बच्चे

हरिभूमि सिहोरा।

मिस्पा मिशन स्कुल के सामने से होकर मझौली रोड पर मिलने वाली प्रमुख रोड जो वार्ड क्रमांक 6 और 8 से होकर गुजरती है वहां सड़क में पानी भरने से निवास करने वाले लोग और स्कुल जाने वाले छोटे छोटे बच्चे भारी परेशान हैं एक तो बारिस के समय और ऊपर से जीव जंतुओं का खतरा और दुसरा तालाब से निकल कर सड़क पर आ रहे गंदे बरसाती पानी से होकर गुजरने की मजबूरी। लेकिन इस समस्या की ओर ध्यान देने वाला कोई नहीं है। इन्हीं सब समस्याओं से छुटकारा दिलाने क्षेत्रवासियों ने सिहोरा विधायक संतोष बरकडे से भेंट कर ज्ञापन भी सौंपा।

सैकड़ों बच्चे पानी से होकर स्कूल जाने को मजबूर

दुर्दशा की शिकार उक्त सड़क में खासकर बरसात के मौसम में घुटनों तक भरे रहने वाले बदबूदार गंदे पानी से निकलकर मिस्पा मिशन स्कुल के छोटे बड़े सैकड़ों बच्चों सहित अन्य लोगों को जाना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों को हर बरसात में इस कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और अनेक बार तो उनका घर से भी निकलना बंद हो जाता है।

पानी निकासी की नहीं है समुचित व्यवस्था

उक्त सड़क पर पानी भरने का प्रमुख कारण है कि आधे शहर के गंदे पानी के साथ बरसाती पानी नालियों से होकर एक तालाब में एकत्र हो जाता है और वहां से पानी निकासी की कोई समूचित व्यवस्था न होने से वहीं पानी एकत्र होकर सड़क पर आ जाता है और आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता है जबकि आगे पक्का नाला बना है पर उसमें पानी बहुत ही कम जाता है। नगर पालिका को इस विकराल हो रही समस्या को समाप्त करने पुख्ता इंतजाम करना चाहिए।

समस्या का स्थाई समाधान करने बनेगी कार्ययोजना

इस संबंध में जब सिहोरा विधायक संतोष बरकडे से बात की गई तो उनका कहना था उक्त समस्या की जानकारी उन्हें है और वे शीघ्र ही नगर पालिका परिषद अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्रवासियों की इस समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के साथ राशी की भी व्यवस्था करेंगे। ज्ञापन देने वालों में सुधीर गौतम, देवेन्द्र कुमार चौबे, सत्येन्द्र उपाध्याय, रजनी चौबे, पवन उपाध्याय, विमलेश खम्परिया, आशीष उपाध्याय, अंकित दुबे, राजेन्द्र उपाध्याय, रचना उपाध्याय, प्रतिमा चौबे सहित अनेक क्षेत्र एंव कालोनी वासी उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार, रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्र./620/अ-6/2025-26

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरिता दीक्षित / श्री महेन्द्र दीक्षित नि.- दर्शन तिराहा के पास बस्ती रोड जबलपुर ने निर्मित रकवा 2100 व.फु. विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दान पत्र/ वारसान हक दिनांक 02/11/1995 मृत्यु दिनांक 20/06/2020 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/ पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल निर्मित रकवा 2100 व.फु./ अवि. ग्राम रांझी खसरा नं. 244/ 2 व 244/3 रकवा 2100 व.फु. हेक्ट. है अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 25/08/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियम दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 07/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 07/08/2025
पेशी दिनांक 25/08/2025

तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

प्रशासन की मौजूदगी में मनाया गया गोटमार पर्व, तैनात रही पुलिस

गोटमार मेले में 1000 से ज्यादा घायल, 2 रेफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

आज यहां संपन्न विश्वविख्यात गोटमार मेले में पत्थरबाजी के चलते पांढुर्ना और सावरगांव दोनों पक्षों के 1000 से अधिक लोग घायल हो चुके है। दोपहर 3 बजे तक 300, शाम 6 बजे तक 600 और 7 बजे के बाद घायलों का आंकडा 1000 पार हो चुका था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार भाऊराव धुर्वे निवासी ग्राम नीलकंठ के पैर की हड्डी टूटी और निलेश जानराव निवासी पांढुर्णा के कंधे की हड्डी टूटी गई। इन दोनों गंभीर घायलों को नागपुर रिफर कर दिया है। आज पांढुर्ना के खिलाडी शाम 7 बजे तक झंडा तोडने में असफल रहे। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों की पहल पर पांढुर्ना और सावरगांव की शांति समिति सदस्यों की बार बार समझाईश और कोशिश पर दोनों पक्ष सहमत हुए और झंडा पांढुर्ना पक्ष को सौंपा गया। दिनभर आसमान में काले बादल और सुबह से ही बारिश की लुकाछिपी की वजह से सुरज निकला ही नहीं। इस कारण सावरगांव के खिलाडियों को तेज धूप का सामना नहीं करना पडा और उन्होंने पांढुर्नावासियों को झंडा नहीं ले जाने दिया। हालांकि दो तीन बार पांढुर्ना के खिलाडियों ने झंडे पर कुल्हाडी से गहरे आघार किए लेकिन पत्थरों की तेज बौछार के बीच उन्हें खाली हाथ लौटना पडा।

जिला प्रशासन की ओर मेले में सुरक्षा हेतु 600 पुलिस जवान, 58 डॉक्टर, 200 मेडिकल सहायक स्टाफ तथा 6 अस्थाई स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए और क्षेत्र में धारा 144 लागू की गई थी।

सूचना देने वाला ही निकला मुख्य आरोपी, मामला गढ़ी थाना का

दो भाइयों ने दादी की कर दी हत्या

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में एक दादी की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके दो पोतों और एक साथी को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी सुनील धुर्वे ने अपनी 65 वर्षीय दादी गौथरिनबाई धुर्वे की कुल्हाड़ी से हत्या की थी।घटना 9 अगस्त की है। सुनील धुर्वे ने खुद थाने में जाकर दादी के लापता होने की सूचना दी थी। जब पुलिस ने घर की जांच की तो गौथरिनबाई का शव खून से लथपथ मिला। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोट से मौत की पुष्टि हुई।गढ़ी थाना प्रभारी भूपेन्द्रसिंह ने बताया है कि पूछताछ में सामने आया कि सुनील और उसके भाई ने ट्रैक्टर खरीदा था। वे किश्त नहीं चुका पा रहे थे। दादी से कई बार रुपए मांगे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।घटना वाली रात सुनील बाइक से दादी के घर गया। एक बार फिर रुपए की मांग की। दादी के मना करने पर उसने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। आरोपी के दिव्यांग भाई राजकुमार धुर्वे और साथी सुनील कुशरिया ने साक्ष्य छिपाने में मदद की।पुलिस ने तीनों आरोपियों को बैहर न्यायालय में पेश किया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और अन्य साक्ष्य बरामद कर ली है। मुख्य आरोपी सुनील 34 वर्षीय है, उसका भाई राजकुमार 28 वर्षीय और साथी सुनील कुशरिया 27 वर्षीय है।

बिजली लाइन पर काम करते वक्त ऑउटसोर्स कर्मचारी झुलसा

रीवा।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अंतर्गत उमरी रीठी गांव में कार्य के दौरान एक आउटसोर्स कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गया। यह हादसा उस समय हुआ जब कर्मचारी चंद्रपाल बिजली लाइन पर कार्य कर रहा था। झुलसने के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तत्काल संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया। वर्तमान में उसका इलाज जारी है। जैसे ही इस हादसे की सूचना विंध्य आउटसोर्स कर्मचारी संगठन को मिली, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश पांडे, प्रदेश सचिव सतीश चौबे, जिला अध्यक्ष अजय तिवारी तथा बिजली विभाग के सहायक यंत्री अंशुल नारायण मौके पर पहुंचे। बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी भी अस्पताल में इकट्ठा हो गए और नाराजगी जताई। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में आए दिन आउटसोर्स कर्मचारी दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। कई ने तो जान तक गंवाई है, लेकिन सरकार या विभाग की ओर से कोई ठोस सहायता या सुरक्षा व्यवस्था मुहैया नहीं कराई जाती। कर्मचारियों का आरोप है कि आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ दोहरा मापदंड अपनाया जा रहा है। जहां एक ओर ये कर्मचारी दिन-रात जान जोखिम में डालकर सेवाएं दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी भर्तियों में इन्हें कोई प्राथमिकता या छूट तक नहीं दी जा रही है। सरकार की नीतियों में सुधार की जरूरत है। हमसे काम तो सरकारी कर्मचारी की तरह लिया जाता है, लेकिन सुविधाएं नहीं दी जातीं। संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही आउटसोर्स कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।

जलप्रपात में डूबने से दो युवकों की मौत

सतना। उचेहरा के परसमनियां पठार स्थित राजाबाबा जलप्रपात में डूबने से दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों युवक कल अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए थे,तभी नहाते समय यह हादसा हुआ। पुलिस ने दोनों युवकों के शव बरामद कर परिजनों को सौंप दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, उचेहरा के पिपरी कला से 8 युवक पिकनिक मनाने गए थे। शाम को जलप्रपात में नहाते समय अचानक 2 युवक गहरे पानी में चले गए,जिससे वे डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक प्रीतम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाया। पुलिस के रेस्क्यू ऑपरेशन में बालकृष्ण कुशवाहा और आयुष कुशवाहा का शव पानी से बाहर निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शवों को उनके परिवार वालों को सौंप दिया।बताया गया है कि 6 अन्य युवक सकुशल अपने घर लौट आए हैं,जिनमें कुसुमलाल कुशवाहा, पुष्पराज कुशवाहा, जीवनलाल विश्वकर्मा, सतीश कुशवाहा, अजय कुशवाहा और शिवम कुशवाहा शामिल हैं।

चित्रकूट में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई मंदाकिनी में डुबकी, प्रशासन ने की थी चाक-चौबंद व्यवस्था

सतना। भादो मास की शनिश्चरी अमावस्या पर चित्रकूट में लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। देश के कोने-कोने से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोस्थली चित्रकूट पहुंचे लाखों भक्तों ने मंदाकिनी नदी में स्नान कर अपने पितरों का तर्पण और पिंडदान किया।

इसके बाद उन्होंने भगवान मत्यगजेंद्रनाथ और कामतानाथ के दर्शन कर विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना की और कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा भी की। शनिश्चरी अमावस्या मेले को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा चित्रकूट में चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। मेला क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु नजर आए, जिसे देखते हुए उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

पितरों का किया पिंडदान

श्रद्धालुओं ने शनिवार को मंदाकिनी नदी में स्नान करने के बाद अपने पितरों का तर्पण करते हुए पिंड दान किया। इसके बाद भगवान कामतानाथ के दर्शन किए और कामदगिरि की परिक्रमा लगाई। भक्तों ने धर्मनगरी के जानकीकुंड,सती अनुसुइया आश्रम,हनुमानधारा और भरतकूप तीर्थ स्थानों पर भी दर्शन किए। इससे पहले कलेक्टर डॉ.सतीश एस और एसपी आशुतोष गुप्ता ने कामदगिरि और हनुमानधारा क्षेत्र में लगातार छह घंटे तक सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। चित्रकूट क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

एक दिन पहले से पहुंचने लगे थे श्रद्धालु

रामघाट परिक्रमा के अलावा,हनुमान धारा,जानकी कुंड,सती अनुसुइया,गुप्त गोदावरी और भरत कूप क्षेत्र में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।शनिवार को आषाढ़ मास के अवसर पर एक दिन पहले से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था।कई लोग पैदल तो कई निजी वाहनों से पहुंचे। कई जगहों पर समाज सेवियों ने प्रसाद वितरण भी किया। इस अवसर पर अतिरिक्त बसें भी चलाई गईं और सुरक्षा व्यवस्था के लिए कंट्रोल रूम भी बनाए गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार,मेला क्षेत्र में 22 से 25 अगस्त तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है।इन वाहनों को दूसरे रास्तों से बांदा और सतना सहित कौशांबी और प्रयागराज जिलों में भेजा जा रहा है।

हाइवे पर मवेशी संकट, रीवा से प्रयागराज तक जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे वाहन

रीवा। हाईवे पर सफर अब रफ्तार का नहीं, जोखिम का पर्याय बनता जा रहा है। रीवा से प्रयागराज और मिर्जापुर की ओर जाने वाले प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग इन दिनों अव्यवस्था के ऐसे दलदल में फंसे हैं, जहां हर दो किलोमीटर पर जानलेवा संकट मंडरा रहा है,आवारा मवेशियों के रूप में। हजारों की संख्या में सड़क किनारे और डिवाइडर के बीच डेरा जमाए बैठे ये जानवर न केवल यातायात में बाधा बन रहे हैं, बल्कि गंभीर सड़क हादसों की वजह भी बनते जा रहे हैं। बारिश के मौसम में हालात और बिगड़ गए हैं, जब कीचड़ और पानी से भरे मैदानों से जानवर सड़क की ओर रुख कर रहे हैं। अब हाइवे के डिवाइडर इनके अस्थायी ठिकाने बन चुके हैं। रीवा, रामनई, बेलवा पैकान, मनगवां, गंगेव, गोदरी, कटरा, कलबारी, सोहागी, चंदई, मिर्जापुर हाइवे के रघुनाथगंज, देवतालाब, मऊगंज, खटखरी और हनुमना बाईपास जैसे क्षेत्रों में यह समस्या विकराल रूप ले चुकी है। इन मार्गों से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं, लेकिन हर चालक को जानवरों के झुंड के बीच से निकलना किसी जिंदा बचने की चुनौती जैसा बन गया है। विशेषकर बाइक और छोटे वाहन चालकों के लिए यह खतरा कई गुना बढ़ गया है, क्योंकि जानवर अचानक सड़क पार कर देते हैं, जिससे टक्कर की आशंका बनी रहती है।बॉक्स पिछली कोशिशें नाकाम, दो साल से स्थिति जस की तसकरीब दो साल पहले प्रशासन ने इस दिशा में पहल करते हुए मवेशियों को सड़क से हटाने का अभियान चलाया था। पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मवेशी छोड़ने वालों पर कार्रवाई की गई थी और जानवरों को पकड़कर गौशालाओं में भेजा गया। लेकिन यह अभियान महज चार दिनों में ही थम गया और हालात फिर पुराने ढर्रे पर लौट आए।

42.51 लाख की राशि के लिए जारी हुई आरआरसी वसूली के नोटिस किए जा रहे तामील

प्रधानमंत्री आवास योजना राशि वसूली पर निगम की सख्ती जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) बीएलसी घटक में राशि लेने के बावजूद पक्के मकान न बनाने वाले हितग्राहियों पर नगर निगम छिंदवाड़ा की सख्ती लगातार जारी है। शुक्रवार को 106 हितग्राहियों पर कार्रवाई करते हुए तहसीलदार द्वारा राजस्व रिकवरी प्रमाणपत्र (RRC) जारी किया गया था। इन प्रकरणों की कुल राशि 42 लाख 51 हजार रुपये है।नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय ने बताया कि आज 35 प्रकरणों में नोटिस तामिल किए गए हैं। इसके साथ ही शेष 158 प्रकरणों पर आगामी दिनों में कार्यवाही की जाएगी।आयुक्त श्री राय ने कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना का दुरुपयोग करने वालों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। आरआरसी जारी होने के बाद राशि वसूली की कार्रवाई की जाएगी, जिसके अंतर्गत संबंधित हितग्राहियों की चल-अचल संपत्तियां कुर्क कर नीलाम की जा सकती हैं। राशि का लाभ ले चुके हितग्राहियों के संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज नगर निगम के पास उपलब्ध है। जिनकी नीलामी की कार्यवाही की जाएगी।उन्होंने दोहराया कि जिन हितग्राहियों ने योजना की राशि प्राप्त की है, वे निर्धारित समय सीमा में अपना मकान निर्माण कार्य पूरा करें, अन्यथा उनके विरुद्ध भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना की नई सूची का प्रकाशन, दावा आपत्ति 2 सितम्बर तक

छिंदवाड़ा। शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की डीपीआर तैयार करने का कार्य नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में निकाय द्वारा आगामी डीपीआर हेतु 192 हितग्राहियों का चयन आगामी हितलाभ हेतु किया गया था। इन हितग्राहियों के चयन उपरांत सूची वेबसाइट एवं निगम के सूचना पटल पर चस्पा की गई। जिसके दावा आपत्ति के लिए 15 दिवस का समय दिया गया है। उक्त सूची में जिन भी नागरिकों को आपत्ति हो वह 02 सितंबर 2025 को शाम 06 बजे तक अपनी आपत्ति निगम कार्यालय में दे सकता है।

कृषि में बैलों की अहम भूमिका को सम्मान देने मनाया जाता हैं पोला पर्वः विवेक पटेल

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया गया पोला पर्व

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

मध्यप्रदेश के वारासिवनी में मनाए जाने वाला पोला त्यौहार कृषि संस्कृति और परंपराओं से गहराइयों से जुड़ा हुआ हैं। यह त्यौहार भाद्रपद मास की अमावस्या को मनाया जाता है और विशेष रूप से किसानों द्वारा बैलों के प्रति श्रद्धा और आभार प्रकट करने के लिए समर्पित होता हैं।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पोला पर्व पर नगर के वार्ड नंबर 12 निवासी हीरा चौधरी के बाड़े से किसानों व जनप्रतिनिधियों के साथ श्री चौधरी आरती की थाल लेकर निकले। यह पूजा की थाल गोलीबार चौक, आंबेडकर चौक, नेहरु चौक होते हुए जय स्तम्भ चौक पहुँची। जहॉ पर श्री चौधरी द्वारा बैलों की पूजा अर्चना और बैल जोड़ी लेकर आए हुए किसानों का तिलक वंदन किया। उसके बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों विधायक विवेक पटेल, पूर्व विधायक प्रदीप जयसवाल, भूतपूर्व विधायक डॉक्टर योगेन्द्र निर्मल, भाजपा नेता निरंजन बिसेन, पूर्व मंडी अध्यक्ष अजय बिसेन, जिला पंचायत पूर्व सदस्य विक्रम देशमुख आदि ने किसानों का तिलक वंदन कर उन्हें गमछा व अन्य वस्तुएँ भेंट की और बैल जोडियों को तिलक लगाकर उनकी पूजा की।

उसके बाद पटाखे फोडक़र बैल जोडियों को नगर की सडक़ों पर दौडऩे के लिए रवाना कर दिया गया। इस दौरान जय स्तम्भ चौक पर मेले का दृश्य बना हुआ था। चाट पकोड़े, गुब्बारे सहित अन्य सामग्रियों की दुकानें लगी हुई थी। जय स्तम्भ चौक से बैल जोडियों रवाना होने के बाद नगर के नागरिकों के घरों तक पहुँची। जहॉ पर नागरिकों ने बैल जोडियों का भव्य स्वागत किया और तिलक वंदन कर घर में बनाए गए पकवान खिलाये गए।

इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क

ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

बीमा करवाएं, महत्व समझें

हेल्थ इंश्योरेंस : यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस : तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

- बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी
- सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं
- फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

रेवेन्यू का विश्लेषण करें

सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

निश्चित लागत घटाएं

इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-जरूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

आपात स्थिति के लिए फंड

बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

अपने बेनेफिट्स को समझें

बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्ल से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

बजट का रिव्यू करें

बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

मुनाफे की निगरानी व समीक्षा

अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

बाजार अनुसंधान व विश्लेषण

अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

अलर्ट 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा

रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल

अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

20 की उम्र में निवेश ऐसे करें
- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- इयूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

25 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

30 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

35 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

40 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12% ● इयूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

लम्प सम : 100 गुना रिटर्न

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।